क.

एस. एम. आर. यू. टी. तुकाराम बैडडे बनाम

महाराष्ट्र राज्य और एएनआर

(2019 का विविध आवेदन संख्या 1852) 11 जनवरी, 2022

[डॉ**.** धनंजय वाई चंद्रचूड़ और सूर्या कांत**,** जे**.** जे**.]**

दिशा-निर्देश/नियम/निर्देशःदिशानिर्देश-आपराधिक मामलों में कमजोर गवाहों के साक्ष्य दर्ज करने के संबंध में जारी करना-कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए जारी किए गए निर्देश

ग

महाराष्ट्र राज्य बनाम बंदू @दौलत के मामले में जारी किए गए निर्देश

आपराधिक मामलों में कमजोर गवाहों की जांच के लिए विशेष केंद्र स्थापित करने के लिए-दिल्ली उच्च न्यायालय के 'आपराधिक मामलों में कमजोर गवाहों के साक्ष्य दर्ज करने के लिए दिशानिर्देशों' के खंड 3 (ए) में निहित 'कमजोर गवाह' की परिभाषा का विस्तार किया गया-यौन हमले के पीड़ितों की उम्र और लिंग तटस्थ पीड़ितों, मानसिक बीमारी से पीड़ित गवाहों, खतरे की धारणा रखने वाले किसी भी गवाह, किसी भी बोलने या सुनने में अक्षम व्यक्ति या किसी अन्य विकलांगता से पीड़ित व्यक्ति को शामिल करने के लिए 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले बाल गवाहों के साथ-साथ निर्धारित अवधि के भीतर एक कमजोर गवाह जमा केंद्र योजना को अपनाने और अधिसूचित करने के लिए उच्च न्यायालयों को निर्देश जारी करना-एक अखिल भारतीय वी. डब्ल्यू. डी. सी. प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना और लागू करना, एक समिति

डी.

ई.

च

जी.

साक्षी बनाम भारत संघ (2004) 5 एससीसी 518:[2004] (2)

पूरक।एस**.** सी**.** आर**. 723;** पंजाब राज्य बनाम गुरमीत सिंह **(1996)**

2 एससीसी 384:[1996] (1) एस. सी. आर. 532; महाराष्ट्र राज्य ए

एच.

बनाम बंदू @दौलत (2018) 11 एस. सी. सी. 163; महेंद्र चावला बनाम भारत संघ (2019) 14 एस. सी. सी. 615: [2018] (14) एस. सी. आर. 627-पर निर्भर।

निर्णीत विधि संदर्भ

[2004] (2) पूरक।एस**.** सी**.** आर**. 723** पैरा **1,5 (**सी**) [1996] (1)** एस**.** सी**.** आर**. 532** पैरा **1** पर निर्भर था।

(2018) 11 एससीसी **163**

पर भरोसा किया

पैरा **2,4,5 (ii)**

[2018] (14) एससीआर **627**

पर भरोसा किया

पैरा **5 (**ई**)**

ग

आपराधिक अपील क्षेत्राअधिकार : 2019 की आपराधिक अपील संख्या 1101 में 2019 का विविध आवेदन संख्या 1852। 2017 के आपराधिक आवेदन No.165 में बॉम्बे में उच्च न्यायालय के न्यायिक निर्णय और आदेश दिनांक 20.03.2019 से।सुश्री विभा दत्ता मखीजा (एसी), वरिष्ठ अधिवक्ता, सुश्री जयक्रिती एस. जडेजा, प्रवीण गौर, कशिश अनेजा, अधिवक्ता। अपीलार्थी के लिए।

डी.

बृजेंद्र चाहर, वरिष्ठ अधिवक्ता, गोपाल झा, गौतम सिंह, श्रेयश भारद्वाज, सुश्री शिरीन खजुरिया, संदीप सुधाकर देशमुख, सुश्री दीपलक्ष्मी सुभाष मतवणकर, अर्जुन गर्ग, आकाश नंदोलिया, सुश्री सागुन श्रीवास्तव, संजय कुमार। पाठक, सुश्री शशि पाठक, विवेक गुप्ता, सुश्री ज्योति चाहर, करण चाहर, सुश्री अस्मितासिंह, गौतम नारायण, अशोक माथुर, वी. एन. रघुपति, मो. अपजल अंसारी, आर. नेदुरामन, सुश्री राधिका गौतम, जगजीत सिंह छाबड़ा, सुश्री उत्तरा बब्बर, मनन बंसल, निखिल गोयल, सुश्री नवीन गोयल, विनय मैथ्यू, राहुल चिटनिस, सचिन पाटिल, आदित्य ए. पांडे, जियो जोसेफ, सुश्री श्वेतल शेपाल, सिबो शंकर मिश्रा, निरंतर साहू, उमाकांत मिश्रा, अधिवक्ता।उत्तरदाताओं के लिए।

ई.

च

न्यायालय का निर्णय इसके द्वारा दिया गया था

डॉ**.** धनंजय वाई**.** चंद्रचूड़**,** जे**.**

जी.

1. असुरक्षित गवाहों के साक्ष्य को दर्ज करने के लिए एक सुरक्षित और बाधा मुक्त वातावरण बनाने की आवश्यकता को पूरा करने वाली सुविधाओं की स्थापना की आवश्यकता और महत्व ने इस ए का ध्यान आकर्षित किया है।

एच.

दो दशकों से अधिक का न्यायालय।साक्षी बनाम भारत संघ **1** में**,** इस न्यायालय ने उन निर्देशों के अलावा निर्देश जारी किए जो पंजाब राज्य बनाम गुरमीत सिंह **2** में निर्णय में निहित थे।साक्षी **(**ऊपर**)** में निर्णय से प्रासंगिक उद्धरण इस प्रकार हैः

“34. […]

(1) दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 327 की उप-धारा (2) के प्रावधान, उप-धारा में उल्लिखित अपराधों के अलावा, भारतीय दंड संहिता की धारा 354 और 377 के तहत अपराधों की जांच या मुकदमे में भी लागू होंगे।

ग

(2) बाल यौन शोषण या बलात्कार का मुकदमा चलाने में:(i) एक पर्दा या कुछ ऐसी व्यवस्था की जा सकती है जहां पीड़ित या गवाह (जो पीड़ित की तरह समान रूप से कमजोर हो सकते हैं) आरोपी के शरीर या चेहरे को नहीं देखते हैं;

डी.

((ख) अभियुक्त की ओर से जिरह में रखे गए प्रश्न, जहाँ तक वे सीधे घटना से संबंधित हैं, न्यायालय के पीठासीन अधिकारी को लिखित रूप में दिए जाने चाहिए जो उन्हें पीड़ित या गवाहों के सामने ऐसी भाषा में रख सकते हैं जो स्पष्ट हो और शर्मनाक न हो।

ई.

((iii) बाल शोषण या बलात्कार की पीड़ित को अदालत में गवाही देते समय आवश्यकता पड़ने पर पर्याप्त अवकाश की अनुमति दी जानी चाहिए।"

च

2. हाल ही में, महाराष्ट्र राज्य बनाम बंदू @दौलत 3 में,

इस न्यायालय द्वारा आपराधिक मामलों में "कमजोर गवाहों की जांच के लिए विशेष केंद्र" स्थापित करने के लिए निर्देश जारी किए गए थे ताकि कमजोर गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए एक अनुकूल वातावरण की सुविधा प्रदान की जा सके।इस न्यायालय ने आपराधिक मामलों में संवेदनशील गवाहों के साक्ष्य दर्ज करने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों पर ध्यान दिया और कहा कि इस उद्देश्य के लिए दिल्ली में विशेष केंद्र स्थापित किए गए हैं।यह देखते हुए कि दिशा

जी.

1 (2004) 5 एस. सी. सी. 518 2 (1996) 2 एस. सी. सी. 384 3 (2018) 11 एस. सी. सी. 163

एच.

कमजोर गवाहों के लिए विशेष केंद्र स्थापित करने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय इस न्यायालय के पहले के फैसलों के अनुरूप है और उन सिद्धांतों का पूरक है जो निर्धारित किए गए हैं, इस न्यायालय ने निम्नलिखित निर्देश जारी किए:

“12. [...] सभी उच्च न्यायालय ऐसे दिशानिर्देशों को अपना सकते हैं यदि उन्हें अभी तक ऐसे संशोधनों के साथ नहीं अपनाया गया है जिन्हें आवश्यक समझा जा सकता है।देश के लगभग हर जिले में संवेदनशील गवाहों के लिए एक केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता हो सकती है।सभी उच्च न्यायालय नियत समय में चरणों में इस दिशा में उचित कदम उठा सकते हैं।आज से तीन महीने के भीतर प्रत्येक उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में कम से कम दो ऐसे केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं।इसके बाद, उच्च न्यायालयों के निर्णय के अनुसार ऐसे और केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं।"

3. मुकदमे की प्रक्रिया की निष्पक्षता के साथ-साथ ठोस न्याय की खोज एक महत्वपूर्ण उपाय से निर्धारित की जाती है जिसमें कमजोर गवाहों के बयान दर्ज किए जाते हैं।व्यक्ति की गरिमा, जो संविधान के अनुच्छेद 21 का एक आंतरिक तत्व है, को असंवेदनशील प्रक्रियाओं और शत्रुतापूर्ण वातावरण की अनिश्चितताओं पर नहीं छोड़ा जा सकता है।न्याय तक पहुँच अनिवार्य करती है कि एक बाधा मुक्त वातावरण बनाने के लिए सकारात्मक कदम उठाए जाने चाहिए।ये बाधाएं केवल वे नहीं हैं जो पारंपरिक अदालतों के भौतिक स्थानों के भीतर मौजूद हैं, बल्कि वे हैं जो कमजोर गवाहों के दिमाग और व्यक्तित्व पर काम करती हैं।एक बाधा मुक्त वातावरण के निर्माण के अंतर्निहित हितकारी उद्देश्य को सुविधाजनक बनाने की तत्काल आवश्यकता है जहां शारीरिक और भावनात्मक दोनों सीमाओं को बाधित किए बिना बयानों को स्वतंत्र रूप से दर्ज किया जा सकता है।इसके लिए न केवल बुनियादी ढांचे के निर्माण की आवश्यकता है बल्कि सभी हितधारकों को संवेदनशील बनाने की भी आवश्यकता है।

डी.

ई.

च

4. इस न्यायालय ने सभी उच्च न्यायालयों को नोटिस जारी किया जिसके अनुसरण में वे वकील के माध्यम से उपस्थित हुए हैं। अदालत के समक्ष रखी गई सामग्री के आधार पर न्यायमित्र सुश्री विभा दत्ता मखीजा ने 25 अक्टूबर 2021 तक विभिन्न उच्च न्यायालयों में बुनियादी ढांचे की स्थिति का एक सारणीबद्ध विवरण तैयार किया है।सारणीबद्ध कथन की एक प्रति इस आदेश के अनुलग्नक 'ए' में एक व्यापक संकेतक के रूप में संलग्न की गई है।न्यायालय में कार्यवाही के दौरान हुए विचार-विमर्शों, न्यायमित्र द्वारा प्रस्तावित सुझावों और कुछ वकीलों की प्रतिक्रियाओं के आधार पर जिनके पास ए है

जी.

एच.

447

स्मरुति तुकाराम बडाडे बनाम महाराष्ट्र राज्य [डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, जे.] ए.

उच्च न्यायालयों की ओर से पेश हुए, इस न्यायालय के पहले के फैसलों को आगे बढ़ाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत निम्नलिखित निर्देश जारी किए गए हैं।इनका उद्देश्य उन निर्देशों के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाना है जो 24 अक्टूबर 2017 को बंदू (उपरोक्त) में और इससे पहले अन्य निर्णयों में दिए गए थे।

5. दिशाएँ नीचे सूचीबद्ध की गई हैंः

(i) दिल्ली उच्च न्यायालय के 'आपराधिक मामलों में कमजोर गवाहों के साक्ष्य दर्ज करने के लिए दिशानिर्देश' 4 के खंड 3 (ए) में निहित 'कमजोर गवाह' की परिभाषा केवल उन बाल गवाहों तक ही सीमित नहीं होगी जिनकी आयु 18 वर्ष हो गई है और अन्य बातों के साथ-साथ कमजोर गवाहों की निम्नलिखित श्रेणियों को शामिल करने के लिए इसका विस्तार किया जाना चाहिएः(क) दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 273 और 327 और भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 354 के साथ पठित यौन हमले की आयु तटस्थ पीड़ित 5;

ग

डी.

(बी) यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 2 (डी) के साथ पढ़ने वाले यौन हमले के लिंग तटस्थ पीड़ित;

(ग) भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 377 के तहत यौन हमले की उम्र और लिंग तटस्थ पीड़ितों को साक्षी (उपरोक्त) में निर्णय के पैराग्राफ 34 (1) के साथ पढ़ा जाता है;

ई.

(घ) भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की धारा 118 के साथ पठित मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम 2017 की धारा 2 (ओं) के तहत परिभाषित "मानसिक बीमारी" से पीड़ित गवाह;

च

(ई) केंद्र सरकार की गवाह संरक्षण योजना 2018 के तहत खतरे की धारणा रखने वाला कोई भी गवाह, जैसा कि महेंद्र में इस न्यायालय द्वारा अनुमोदित है।

जी.

चावला बनाम भारत संघ **6;**

4 " वी. डब्ल्यू. डी. सी. योजना "यहाँ उपलब्ध है

एच टी टी पीः/ / डी. ई. एल. एच. आई. जी. एच. सी. ओ. यू. आर. टी. एन. आई. सी. आई. एन./डब्ल्यू. आर. आई. टी. ई. ए. डी. ए. टी. ए./यू. पी. एल. ओ. डी./एन. ओ. टी. आई. एफ. आई. सी. ए. टी. आई. ओ. एन./अधिसूचना फ़ाइल _ एल. सी. डब्ल्यू. सी. डी. 2x4।पीडीएफ।

5 " आई. पी. सी "

6 (2019) 14 एस. सी. सी. 615

एच.

448

सर्वोच्च न्यायालय की रिपोर्ट

[2022] 1 एस सी आर।

(च) कोई भी बोलने या सुनने में अक्षम व्यक्ति या किसी अन्य विकलांगता से पीड़ित व्यक्ति जिसे सक्षम अदालत द्वारा कमजोर गवाह माना जाता है; और

(छ) कोई अन्य गवाह जिसे संबंधित न्यायालय द्वारा असुरक्षित माना जाता है।

((ii) उच्च न्यायालय इस आदेश की तारीख से दो महीने की अवधि के भीतर एक कमजोर गवाह जमा केंद्र 7 योजना को अपनाएंगे और अधिसूचित करेंगे, जब तक कि कोई योजना पहले से ही अधिसूचित न हो।जिन उच्च न्यायालयों के पास पहले से ही वी. डब्ल्यू. डी. सी. योजनाएं हैं, वे वर्तमान आदेश में बताए गए दिशानिर्देशों के अनुरूप उपयुक्त संशोधन करने पर विचार कर सकते हैं।वी. डब्ल्यू. डी. सी. योजना तैयार करने में, उच्च न्यायालयों को उस योजना के प्रति उचित सम्मान होगा जो दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा तैयार की गई है, जिसे बंदू (उपरोक्त) मामले में इस न्यायालय के फैसले में विधिवत मंजूरी दी गई है।

ग

डी.

(iii) प्रत्येक उच्च न्यायालय को वर्तमान निर्देशों के कार्यान्वयन की निरंतर निगरानी करने और कमजोर गवाहों के साक्ष्य दर्ज करने के लिए आवश्यक समय के अनुपात में प्रत्येक जिले में आवश्यक वी. डब्ल्यू. डी. सी. की संख्या का आवधिक मूल्यांकन करने और आवधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन का समन्वय करने के लिए एक आंतरिक स्थायी वी. डब्ल्यू. डी. सी. समिति का गठन करना चाहिए।

ई.

(iv) प्रत्येक उच्च न्यायालय से अनुरोध है कि वह जिला न्यायालय (या अतिरिक्त सत्र न्यायालय प्रतिष्ठानों) के प्रत्येक प्रतिष्ठान में कम से कम एक स्थायी वी. डब्ल्यू. डी. सी. स्थापित करने के लिए आवश्यक श्रमशक्ति और बुनियादी ढांचे की लागत का अनुमान लगाए और तीन महीने की अवधि के भीतर पूरे राज्य के लिए आवश्यक वी. डब्ल्यू. डी. सी. की इष्टतम संख्या का अनुमान लगाए।

च

जी.

(v) वी. डब्ल्यू. डी. सी. के संचालन और प्रबंधन के लिए आवधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन के महत्व को ध्यान में रखते हुए और न्यायिक अधिकारियों सहित सभी हितधारकों को संवेदनशील बनाते हुए,

7 " वीडब्ल्यूडीसी "

एच.

449

स्मरुति तुकाराम बडाडे बनाम महाराष्ट्र राज्य [डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, जे.] ए.

क.

बार के सदस्य और अदालत प्रतिष्ठान के कर्मचारी, हम जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुश्री गीता मित्तल की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करते हैं।समिति वी. डब्ल्यू. डी. सी. के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण पर उच्च न्यायालयों के साथ जुड़ने के अलावा एक अखिल भारतीय वी. डब्ल्यू. डी. सी. प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करेगी और उसे लागू करेगी। अध्यक्ष का प्रारंभिक कार्यकाल दो वर्ष की अवधि के लिए होगा।सभी उच्च न्यायालय या संबंधित भूमिका नियुक्तकर्ता अध्यक्ष द्वारा तैयार किए जाने वाले मॉड्यूल के संदर्भ में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में सुविधा प्रदान करेंगे और पूरा सहयोग देंगे।

ग

(vi) प्रत्येक उच्च न्यायालय की वी. डब्ल्यू. डी. सी. समिति द्वारा तैयार की गई लागतों के अनुमान पर, राज्य सरकार प्रस्ताव प्रस्तुत करने की तारीख या वित्तीय वर्ष के अंत, जो भी पहले हो, से तीन महीने की अवधि के भीतर आवश्यक निधियों को शीघ्रता से मंजूरी देगी और परियोजना योजना के अनुसार उच्च न्यायालय को निधियों का वितरण करेगी।राज्य सरकार वित्त विभाग के एक नोडल अधिकारी को नामित करेगी जो इन निर्देशों के संदर्भ में उच्च न्यायालय द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए उच्च न्यायालय की वी. डब्ल्यू. डी. सी. समिति के काम से पदेन संबद्ध होगी।

डी.

ई.

(vii) उच्च न्यायालय यह सुनिश्चित करेंगे कि चार महीने की अवधि के भीतर प्रत्येक जिला न्यायालय प्रतिष्ठान (या अतिरिक्त सत्र न्यायालय प्रतिष्ठान) में कम से कम एक स्थायी वी. डब्ल्यू. डी. सी. की स्थापना की जाए।उच्च न्यायालयों के महापंजीयक इस न्यायालय के समक्ष अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करेंगे।

च

(viii) कई राज्यों में, उच्च न्यायालयों द्वारा जिलों में न्यायालय प्रतिष्ठानों के निकट ए. डी. आर. केंद्र स्थापित किए गए हैं।जहां ऐसे ए. डी. आर. केंद्र हैं, वहां उच्च न्यायालयों को यह सुनिश्चित करने की स्वतंत्रता होगी कि ए. डी. आर. केंद्र के परिसर के भीतर वी. डब्ल्यू. डी. सी. उपलब्ध हो।

जी.

एच.

ताकि कमजोर गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए एक सुरक्षित, अनुकूल और बाधा मुक्त वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

(ix) राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण 8 के साथ-साथ राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण 9 की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी और भूमिका है, विशेष रूप से संवेदीकरण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को तैयार करने और लागू करने में।इस न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति के अध्यक्ष से अनुरोध है कि वे एन. ए. एल. एस. ए. और एस. एल. एस. ए. (एन. ए. एल. एस. ए. के माननीय कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा जारी किए जाने वाले निर्देशों के अधीन) के साथ जुड़ें ताकि प्रशिक्षण के लिए योजना को लागू करने के लिए एक प्रभावी इंटरफेस प्रदान किया जा सके।

ग

(x) उच्च न्यायालयों के माननीय मुख्य न्यायाधीशों को वर्तमान निर्देशों को आगे बढ़ाने के लिए प्रशासनिक पक्ष या न्यायिक पक्ष से सभी उचित कदम उठाने और समय-समय पर अनुपालन की निगरानी करने की स्वतंत्रता होगी।

डी.

(xi) दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध किया जाता है कि वे वी. डी. डब्ल्यू. सी. समिति प्रशिक्षण केंद्र के कार्यालय और आवश्यक कर्मचारियों के लिए एक कार्य स्थान/कमरा उपलब्ध कराएं, अधिमानतः वे कर्मचारी जिन्होंने पहले दिल्ली उच्च न्यायालय के प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास और कार्यान्वयन में सहायता की है और अध्यक्ष के परामर्श से कार्यक्रम के एक समन्वयक को नामित करें।अध्यक्ष द्वारा निर्धारित उचित पारिश्रमिक पर समिति को उपयुक्त सचिवीय और रसद सहायक कर्मचारी और उपकरण उपलब्ध कराए जा सकते हैं।इस संबंध में अध्यक्ष को देय मानदेय सहित खर्च महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा दिल्ली के निदेशक को दिया जाएगा।

ई.

च

जी.

8 “ एनएएलएसए "9" एसएलएसए "

एच.

451

स्मरुति तुकाराम बडाडे बनाम महाराष्ट्र राज्य [डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, जे.] ए.

क.

न्यायिक अकादमी।अध्यक्ष इस आदेश की शर्तों के तहत उन्हें सौंपे गए काम के लिए एक उचित मानदेय तय कर सकते हैं।इस स्थिति में कि कोई और निर्देश आवश्यक हैं, अध्यक्ष इस न्यायालय के समक्ष उनकी मांग कर सकता है और उस संबंध में कोई भी संचार आगे के निर्देशों के लिए रखा जाएगा; और

(xii) केंद्र सरकार का महिला और बाल विकास मंत्रालय इन निर्देशों के कार्यान्वयन में समन्वय करने और इस न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति की अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुश्री गीता मित्तल को सभी साजो-सामान संबंधी सहायता प्रदान करने के लिए एक नोडल अधिकारी नामित करेगा।इसमें अध्यक्ष द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार अध्यक्ष को मानदेय का भुगतान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों

के लिए क्षेत्र के विशेषज्ञों को शामिल करने सहित खर्चों को पूरा करना शामिल होगा।केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय और राज्यों में सभी महिला और बाल विकास मंत्रालय अध्यक्ष के साथ समन्वय करेंगे और रसद सहायता प्रदान करेंगे।उच्च न्यायालय, समिति के अध्यक्ष के परामर्श से, सभी हितधारकों के उचित प्रशिक्षण और विकास की सुविधा के लिए क्षेत्र के विशेषज्ञों को सूचीबद्ध करेंगे।

ग

डी.

ई.

6. इस आदेश की एक प्रति इस न्यायालय के महासचिव द्वारा केंद्र सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के सचिव और सभी राज्य सरकारों के महिला और बाल विकास मंत्रालयों के सचिवों को अनुपालन के लिए भेजी जाएगी।इस आदेश की एक प्रति सूचना के लिए न्यायमूर्ति सुश्री गीता मित्तल को और उच्च न्यायालयों द्वारा कार्यान्वयन के लिए सभी उच्च न्यायालयों के महापंजीयक को भी ईमेल की जाएगी।

च

जी.

7. हम समर्पित लोगों के प्रति अपनी प्रशंसा दर्ज करके समापन करते हैं।

न्यायमित्रक प्रयास।

8. विविध अनुप्रयोग का तदनुसार निपटान किया जाता है।9. लंबित आवेदन, यदि कोई हो, का निपटारा कर दिया जाता है।

एच.

Annexure 'A'

IN THE SUPREME COURT OF INDIA
M.A. No. 1852 of 2019
IN
Crl. App. No. 1101 of 2019

IN THE MATTER OF:-

Smruti Tukaram Badade **……Petitioner**

Versus

State of Maharashtra & Anr. **……Respondents**

INDEX

S.No.	Particulars	Page No.
1.	**Status Report Submitted by Vibha Datta Makhija, Senior Advocate on Reports from various High Courts in compliance of order dated 4.10.2019 passed by the Hon'ble Supreme Court for the establishment of Vulnerable Witness Deposition Centers (VWDC) for hearing on 25.10.2021.**	**1-15**

Dated: 25.10.2021

एच.

453

स्मरुति तुकाराम बडाडे बनाम महाराष्ट्र राज्य [डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, जे.] ए.

Smruti Tukaram Badade v. State of Maharashtra & Anr.
M.A. No. 1852 of 2019 in Crl. App. No. 1101 of 2019

Reports from various High Courts in compliance of order dated 4.10.2019 passed by the Hon'ble Supreme Court for the establishment of Vulnerable Witness Deposition Centers (VWDC).

HIGHLIGHTS:

- **24 out of 25 High Courts have submitted status reports regarding establishment of Vulnerable Witness Deposition Centers. Report from Manipur High Court has not been filed as per office report dated 25.10.2021.**
- In 15 out of 25 High Courts, at least 1 Permanent Vulnerable Witness Deposition Centre has been established. In 9 remaining High Courts, not even 1 Permanent Vulnerable Witness Deposition Centre has been established.
- Delhi has established at least 1 Permanent Vulnerable Witness Deposition Centre in all its functional District Courts. Delhi High Court has also formulated guidelines for recording of evidence of vulnerable witnesses in criminal matters. This has been adopted by other High Courts as well.
- Maharashtra has the most number of Permanent Vulnerable Witness Deposition Centers in its District and Subordinate Courts.

S.No./ Ranking	Concerned High Court	Date of Status Report	Number of vulnerable witness deposition centers established - permanent	Number of vulnerable witness deposition centers – temporary/ insufficient infrastructure	GUIDELINES	Status of compliance regarding establishment of Vulnerable Witness Deposition Courts	Financial Status/Funds Requested
1.	**Bombay High Court** [Pg. No. 5-10A [No. of District Courts =33]	6.9.2019	**116 [INCLUDING AT SUBORDINATE COURTS]**	**NIL**	AS PER THE DIRECTIONS IN CRL. APPEAL NO. 1101 OF 2019, NOTICE WAS ISSUED BY THE BOMBAY HIGH COURT TO THE REGISTRAR	**WORK COMPLETED FOR 116 VULNERABLE WITNESS DEPOSITION COURTS IN THE STATE** • ***Status of establishment of Vulnerable Witness Deposition Courts as on 1.8.2019*** S.No. / Particulars / Total / Grand Total 1. Work Completed 115+1 116 2. Work in Progress 72 72 3. Tender Stage 9 9	DIFFERENT DISTRICTS HAVE FORWARDED THEIR FUND REQUIREMENTS TO THE GOVERNMENT OF MAHARASH

क.

ग

डी.

<table>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>GENERAL TO ESTABLISH VWDCS.</td>
<td>
<table>
<tr><td>4.</td><td>Estimate Stage</td><td>6</td><td>6</td></tr>
<tr><td></td><td>Total</td><td>203</td><td>203</td></tr>
</table>

• Proposal for construction of a new Court building with the provision of a Vulnerable Witness Deposition Court is pending at Thane Headquarters.

<u>82 FUNCTIONAL VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTERS OUT OF A TOTAL OF 227</u>

<table>
<tr><th rowspan="2">No. of Places</th><th colspan="4">Vulnerable Witness Deposition Centre</th><th colspan="2">On way glass to witness box</th></tr>
<tr><th colspan="2">Functional</th><th colspan="2">Work in Progress</th><th rowspan="2">Functional</th><th rowspan="2">Work in Progress</th></tr>
<tr><td></td><td>With full-fledged facilities</td><td>With partial facilities</td><td>With full-fledged facilities</td><td>With partial facilities</td></tr>
<tr><td>227</td><td>33</td><td>49</td><td>32</td><td>31</td><td>49</td><td>23</td></tr>
</table>
</td>
<td>TRA. SOME DISTRICTS HAVE RECEIVED FUNDING AND IT IS PENDING FOR OTHERS.</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>Rajasthan High Court [Pg. No. 43-52

[No. of District Courts = 36]</td>
<td>09.01.2020</td>
<td>24</td>
<td>10</td>
<td>NO GUIDELINES AVAILABLE.</td>
<td><u>TOTAL DISTRICTS = 35</u>
<u>CENTERS PERMANENTLY ESTABLISHED = 24 DISTRICTS</u>
<u>CENTERS TEMPORARILY ESTABLISHED = 10 DISTRICTS</u>

• Vulnerable Witness Deposition Courts/Centers set up in the Court premises in 24 Districts – Ajmer, Balotra, Baran, Bhilwara, Bikaner, Bundi, Chittorgarh, Dausa, Dholpur, Ganganagar, Hanumangarh, Jhunjhunu, Jaipur District, Jaipur Metropolitan, Jodhpur District, Jodhpur Metropolitan, Karauli, Merta, Pali, Sawai Madhopur, Sikar, Sirohi, Tonk and Udaipur</td>
<td>SOME DISTRICTS HAVE ASKED FOR FUNDS FOR MAKING THE CENTRES WHICH ARE CURRENTLY TEMPORARY INTO</td>
</tr>
</table>

ग

डी.

ई.

च

जी.

एच.

455

स्मरुति तुकाराम बडाडे बनाम महाराष्ट्र राज्य [डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, जे.] ए.

<table>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td>• Temporary arrangements for Vulnerable Witness Deposition Courts made in 10 Districts - Alwar, Banswara, Bharatpur, Churu, Jaisalmer, Jalore, Jhalwar, Kota, Pratapgarh and Rajsamand.
No Centre established - Dungarpur</td><td>PERMANENT. NO INFORMATION AVAILABLE ON GRANT OF FUNDS.</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>Gujarat High Court [SEPARATE VOLUME 9

[No. of District Courts = 34]</td><td>05.02.2020</td><td>24</td><td>NIL</td><td>NO GUIDELINES AVAILABLE</td><td><u>24 VULNERABLE DEPOSITION CENTERS FUNCTIONAL</u>
• In 33 Judicial districts, vulnerable deposition centers have been planned.
• 7 district deposition centers are ready for inauguration by the end of February 2020.
• 2 districts Mahisagar and Narmada, new building for district and sessions court is under construction and vulnerable deposition centers under construction in newly constructed court buildings.</td><td>NO INFORMATION AVAILABLE</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>Delhi High Court [SEPARATE VOLUME 2

No. of District Courts = 6]</td><td>20.01.2020</td><td>10</td><td>NIL</td><td>DELHI HIGH COURT HAVE CREATED THEIR OWN GUIDELINES. GUIDELINES FOR RECORDING OF EVIDENCE OF VULNERABLE WITNESSES IN CRIMINAL MATTERS.</td><td><u>6 COURT COMPLEXES VULNERABLE DEPOSITION CENTRES ARE ESTABLISHED – TOTAL 10 WITNESS DEPOSITION COURTOOMS</u>
• Rouse Avenue District Court – vulnerable witness deposition centre is not established because at present, only CBI and Labour court are functioning.
<table>
<tr><td>S.No</td><td>Court Complex</td><td>District</td><td>No. of vulnerable witness deposition courtrooms established</td><td>No. of vulnerable witness deposition courtrooms to be established</td></tr>
<tr><td>1.</td><td>Tis Hazari</td><td>Central</td><td>1</td><td rowspan="2">3</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>West</td><td>0</td></tr>
<tr><td>2.</td><td></td><td>East</td><td>2</td><td>6</td></tr>
</table></td><td>NO INFORMATION AVAILABLE</td></tr>
</table>

क.

ग

जी.

ई.

ब

जी.

एच.

च

जी.

एच.

457

स्मरुति तुकाराम बडाडे बनाम महाराष्ट्र राज्य [डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, जे.] ए.

	[No. of District Courts = 32]				• ***Work completed for creation of Child Friendly Environment*** in Mahila Courts in 5 districts *viz.* Coimbatore, Salem, Madurai, Trichy, Tirunelveli • ***Funds sanctioned for setting up Vulnerable Witness and Child Witness Examination Centers*** in the Combined Court Building Campus at Tiruvannamalai - Construction to be commenced • ***Proposal for sanction of funds pending*** for construction of Vulnerable and Child Witness Examination Centers in Combined Court Building Campus at Salem, Karur, Tiruvallur, Trichy and Krishnagiri • ***Construction of Centers*** at Combined Court Building Campus at Vellore, Theni and Perambalur are ***pending consideration before High Court Committee for 15th Finance Commission approved establishment of 70 Vulnerable Witness Deposition Courts in 61 places*** in the State – All Principle District Judges/District Judges directed to set up Centers	SOME DISTRICTS WHILE OTHERS ARE STILL AWAITING FUNDS.
7.	**Punjab & Haryana High Court** [SEPARATE VOLUME 6 [No. of District Courts in Punjab = 22]	21.12.2019	**1** **5**	**NIL** **NIL**	NO GUIDELINES AVAILABLE	**CHANDIGARH – 1 VULNERABLE WITNESS CENTER ESTABLISHED** • Vulnerable Witness Center ***established*** in the Judicial Courts Complex, Chandigarh **PUNJAB - VULNERABLE WITNESS CENTERS ESTABLISHED IN 5 OUT OF 20 DISTRICTS** • Vulnerable Witness Centers ***established in 5 districts*** – Patiala, Bathinda, Fatehgarh Sahib, Kapurthala and S.A.S. Nagar • ***Cost estimate has been approved*** by the Building Committee, Punjab for establishment of a Vulnerable Witness Center at Sangrur • ***Cost estimates under consideration*** by the Building Committee, Punjab for establishment of Vulnerable Witness	STATE HAS GRANTED FUNDS FOR SOME DISTRICTS. COST ESTIMATE PENDING IN SOME DISTRICTS. IN OTHER DISTRICTS, FINANCIAL SANCTION YET TO BE GRANTED.

क.

ग

डी.

ई.

च

जी.

एच.

						Centers ***at 5 districts*** – Ferozepur, Gurdaspur, Bamala, Mansa and Sri Mukatsar Sahib • ***Cost estimate under preparation for 4 districts*** – Moga, Fazilka, Tarn Taran, Pathankot • ***Provision to be made for establishment of Vulnerable Witness Deposition Centers*** in the Judicial Courts Complexes under construction/proposed in 5 districts- Hoshiarpur, Jalandhar, Ropar, S.B.S. Nagar and Khanna **HARYANA – 2 VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTERS HAVE BEEN ESTABLISHED** • ***Centers established*** at Kurukshetra and Sirsa • ***Architectural drawing approved*** by the Building Committee, Haryana at Bhiwani, Faridabad and Rohtak • ***Architectural drawing pending*** before the Building Committee, Haryana at Narnaul • ***Architectural drawing under consideration by the Court*** at Palwal • ***Layout plan approved*** by the Building Committee, Haryana at Kaithal • ***Cost estimate pending approval before the Building Committee, Haryana*** for establishment of Vulnerable Witness Centers at the Judicial Court Complex at Jagadhri in District Yamuna Nagar and at Jhajjar • ***Cost estimate*** for audio-video conferencing system at the Vulnerable Witness Centre in the Judicial Courts Complex, Panipat has been approved by the Building Committee, Haryana and is ***pending before the Government of Haryana for administrative approval and allotment of funds*** ***For other Districts in Haryana, matter is under consideration before the Building Committee*** of the Court	
[No. of District Courts in Haryana = 21]							
		2	NIL				
8.	**Karnataka High Court**	20.12.2019	4	1	NO GUIDELINES AVAILABLE.	**AVAILABILITY OF VULNERABLE WITNESS DEPOSITION COURTS IN 4 OUT OF 30 DISTRICTS**	NO INFORMATION AVAILABLE

ग

डी.

ई.

च

जी.

एच.

459

स्मरुति तुकाराम बडाडे बनाम महाराष्ट्र राज्य [डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, जे.] ए.

	[SEPARATE VOLUME 4 [No. of District Courts = 30]					• Vulnerable Witness Deposition Court Rooms ***available in 3 districts (out of 30 districts)*** i.e. ***Bengaluru City, Bengaluru Rural and Ballari District, Raichur*** • **DISTRICT HASSAN** - ***Court room designated to try POCSO Act cases*** (provided with child friendly environment, partition room in the Court hall with one-way glass, attached waiting room with toilet) ***can be used as a Vulnerable Witness Deposition Court*** • **DISTRICT KODAGU-MADIKERI** - ***1 Court Room in the newly constructed District Court building*** (scheduled to be completed by December 2019) ***can be used as a Vulnerable Witness Deposition Court*** • **DISTRICT SHIVAMOGGA** - ***Modifications proposed to court room designated to try POCSO Act cases to function as a Child Friendly as well as Vulnerable Witness Deposition Court*** • **DISTRICT CHAMARAJANAGAR** - ***Cost estimate*** has been ***prepared and submitted by PWD***, Chamarajanagar ***for alteration of ADR room into a Vulnerable Witness Deposition Court*** **REMAINING 22 DISTRICTS** – ***Provisions have been made***, in consultation with the State Govt., ***for suitable space/accommodation for establishing Vulnerable Witness Deposition Courts***	
9.	**Madhya Pradesh High Court** [SEPARATE VOLUME 5 [No. of District Courts = 50]	16.1.2020	**4**	**NIL**	MADHYA PRADESH HAS FORUMLATED ITS OWN GUIDELINES: NORMS FORMULATED REGARDING CONSTRUCTI	**VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTERS** **ESTABLISHED = 4 DISTRICTS** • ***Vulnerable Witness Deposition Centers established in 4 Districts*** – Jabalpur, Katni, Bhopal and Ujjain • ***Construction of 15 Vulnerable Witness Deposition Centers in progress in 8 Districts*** – Vidisha, Rewa, Dewas, Indore, Shajapur, Hoshangabad, Mandla and Umaria • ***Tender process pending completion*** for 11 Centers – ***6 Districts*** • Proposal for 19 Centers in ***12 Districts – Pending Administrative and Financial Sanction***	STATE HAS GRANTED FUNDS FOR SOME DISTRICTS. TENDER PROCESS PENDING IN SOME DISTRICTS. IN OTHER

क.

ग

डी.

ई.

च

जी.

एच.

					ON OF CHILD-FRIENDLY COURTS/VULNERABLE WITNESS COMPLEX IN VARIOUS DISTRICT AND TEHSIL PLACES OF THE STATE OF MP – APRIL 2017	***Detailed Project Report (DPR)/Plans – Pending*** in other Districts	DISTRICTS, FINANCIAL SANCTION YET TO BE GRANTED.
			3	4	NO GUIDELINES AVAILABLE.	**TOTAL = 24 DISTRICTS** **COURTS PERMANENTLY ESTABLISHED = 3** **TEMPORARY ARRANGEMENTS MADE = 4** • ***Vulnerable Witness Deposition Court set up*** – Khunti (complete provisions yet to be made); Pakur; Ramgarh • ***Temporary arrangement done*** for Vulnerable Witness Deposition Courts at Deoghar; Dumka (temporarily POCSO Court being used); Latehar (temporary arrangements made in Court of District & Addnl. Sessions Judge and District & Addnl. Sessions Judge-I, Latehar) • ***POCSO Courts established as Vulnerable Witness Deposition Courts*** – Garhwa • ***No provision for Vulnerable Witness Deposition Courts*** – Dhanbad; Giridh (POCSO Court established); Godda; Hazaribag (temporarily using curtains); Lohardaga (temporarily using curtains); Jamtara (presently using video conferencing room); Palamau at Daltonganj (temporarily video conferencing hall being used); Seraikella Kharsawan; Simdega • ***Cost estimate sent*** for setting up Vulnerable Witness Deposition Courts at Civil Court, Bokaro (2 Courts) and Sub-	ESTIMATION COST HAS BEEN SENT FOR SETTING UP VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTRES IN SOME DISTRICTS. THEY ARE STILL AWAITING THE FUNDS.
10.	**Jharkhand High Court** [Pg. No. 16-22 [No. of District Courts = 24]	11.12.2019					

ग

डी.

ई.

च

जी.

एच.

461

स्मरुति तुकाराम बडाडे बनाम महाराष्ट्र राज्य [डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, जे.] ए.

						Divisional Civil Courts, Bermo at Tenughat (2 Courts); Chatra; Koderma; Sahibaganj (temporarily using POCSO Court) – ***pending approval*** • ***Map planning pending*** for Vulnerable Witness Deposition Courts - East Singhbhum, Jamshedpur • ***Map approved*** for Vulnerable Witness Deposition Court – Gumia • ***Construction in progress*** of Vulnerable Witness Deposition Court in new Civil Courts, Ranchi – Likely to be completed soon (temporarily using curtains) ***Lay out plan submitted*** for construction of new Court Complex – West Singhbhum, Chaibasa	NO INFORMATION AVAILABLE
11.	**Uttarakhand High Court** [Pg. No. 27-28 [No. of District Courts = 13]	13.12.2019	**2**	**NIL**	NO GUIDELINES AVAILABLE.	**VULNERABLE WITNESS DEPOSITION COURTS ESTABLISHED IN 2 OUT OF 13 DISTRICTS** • ***Vulnerable Witness Deposition Courts established in 2 districts out of 13 Districts*** in the State of Uttarakhand– Chamoli and Champawat Not yet established in remaining 11 districts – Almora, Bageshwar, Dehradun, Haridwar, Nainital, Pauri, Pithoragarh, Rudraprayag, Tehri Garhwal, Udham Singh Nagar and Uttarkashi	NO INFORMATION AVAILABLE
12.	**Tripura High Court** [Pg. No. 36 [No. of District Courts = 8]	09.12.2019	**2**	**NIL**	NO GUIDELINES AVAILABLE.	**2 VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTER ESTABLISHED** • ***Vulnerable Witness Deposition Center established*** at Udaipur, Gomati Judicial District • ***State Government approached for release of funds*** for setting up the Vulnerable Witness Deposition Center at Agartala, West Tripura Judicial District Vulnerable Witness Deposition Centers to be established gradually in other Districts.	STATE GOVERNMENT HAS RELEASED FUNDS ONLY FOR TWO DISTRICTS AND WAS APPROACHED FOR RELEASE OF FUNDS IN

क.

ग

डी.

ई.

च

जी.

एच.

							OTHER DISTRICTS.
13.	**Meghalaya High Court** [Pg. No. 30-35 [No. of District Courts = 11]	25.10.2019	**2**	**NIL**	GUIDELINES FOR RECORDING OF EVIDENCE OF VULNERABLE WITNESSES IN CRIMINAL MATTERS HAVE BEEN DRAFTED BUT HIGH COURT HAS STILL NOT YET NOTIFIED THE GUIDELINES.	**2 VULNERABLE WITNESS CENTERS HAVE BEEN ESTABLISHED** • ***2 Vulnerable Witness Centers established at Shillong and Tura District Courts*** [Govt. of Meghalaya, Law Dept. Notification No. LR (B)43/2017/Pt.I/1064 dated 19.1.2018] Registrar General, High Court of Meghalaya has written to Commissioner and Secretary, Govt. of Meghalaya, Law Dept. to set up Vulnerable Witness Centers in other Districts in the State [Letter No. HCM II/214/2017/Estt. /31 dated 22.10.2019]	NO INFORMATION AVAILABLE
14.	**Jammu and Kashmir High Court** [Pg. No. 12-15 [No. of District Courts = 20]	25.10.2019	**1**	**NIL**	NO GUIDELINES AVAILABLE	**1 VULNERABLE WITNESS DEPOSITION COURT ESTABLISHED** • ***1 Vulnerable Witness Deposition Court established*** – District Court, Srinagar Steps undertaken for setting up Vulnerable Witness Deposition Courts in other Districts	NO INFORMATION AVAILABLE
15.	**Patna High Court** [Pg. No. 1-4]	10.12.2019	**1**	**NIL**	HIGH COURT LETTER NO. 87051/SUPREME COURT	**1 VULNERABLE WITNESS DEPOSITION COURT ESTABLISHED**	NOT AVAILABLE

ग

डी.

ई.

च

जी.

एच.

463

स्मरुति तुकाराम बडाडे बनाम महाराष्ट्र राज्य [डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, जे.] ए.

	[No. of District Courts = 37]				DEPARTMENT DATED 15.12.2017 AND HIGH COURT LETTER NO.91669/SUPREME COURT DEPARTMENT DATED 02.12.2019.	• ***Vulnerable Witness Deposition Court established*** – Civil Court, Patna ***Architectural Map pending*** for construction of Vulnerable Witness Deposition Court – Civil Court, Bhagalpur		
16.	**Himachal Pradesh High Court** [SEPARATE VOLUME 3 [No. of District Courts = 11]	4.1.2020	**NIL**	**3**	HIMACHAL PRADESH ADOPTED THE GUIDELINES AS FRAMED BY THE HIGH COURT OF DELHI.	**<u>VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTER ESTABLISHED – NIL</u>** • ***No Vulnerable Witness Deposition Center established*** – Chamba (presently examined *in camera* in child friendly environment); Solan (Layout plan approved for construction of child friendly environment in POCSO Court); Kullu (no provision for Vulnerable Witness Deposition Centers or child-friendly courts); Bilaspur and Ghumarwin in District Bilaspur; Shimla (child friendly courts are functional); Mandi (Issue regarding establishment of Vulnerable Witness Deposition Centers being discussed with District Administration); Hamirpur (no provision for Vulnerable Witness Deposition Centers or child-friendly courts); Kinnaur at Rampur Bushahr (temporary provisions made for child-friendly courts); ***Vulnerable Witness Deposition Centers temporarily set up*** – Kangra at Dharamshala; Sirmaur at Nahan (no provision for child friendly courts to try POCSO Act case – presently cases of juveniles are taken up in chamber by the Principal Magistrate, Juvenile Justice Board/ Judicial Magistrate, 1st Class); Una (no separate provision for child-friendly courts – presently cases of juveniles are taken up by the Principal Magistrate, Juvenile Justice Board/Addnl. CJM at Observation Home, Una)	NO INFORMATION AVAILABLE

क.

ग

डी.

ई.

च

जी.

एच.

17.	**Chhattisgarh High Court** [Pg. No. 11 [No. of District Courts = 25]	17.12.2019	**NIL**	**3**	NO GUIDELINES AVAILABLE	**3 TEMPORARY VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTERS ESTABLISHED** ***3 temporary Vulnerable Witness Deposition Centers established***– Bilaspur, Raipur, Dantewada District (equipped with witness box with curtains, separate waiting room with drinking water facility, toilet, sofa/chairs for sitting, female attendant) **3 SPECIAL CENTERS SET UP** • **3 Special Centers at Bilaspur, Raipur, and Dantewada districts** • Infrastructure available at these special centers - Witness box covered with curtains. - Friendly environment for the vulnerable witnesses during deposition. Presence of Family members and female attendants during deposition/evidence for vulnerable witnesses in criminal matters as well as POCSO, and offences relating to women cases.	NO INFORMATION AVAILABLE
18.	**Guwahati High Court** [SEPARATE VOLUME Pg. No. 1, 1A] [No. of District Courts in Assam = 27 Nagaland =11	07.02.2020	**NIL**	**NIL**	NO GUIDELINES AVAILABLE.	**ASSAM: VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTER ESTABLISHED = NIL** • ***Construction of Vulnerable Witness Deposition Centers is in progress*** – Udalguri and Goalpara (80% complete); Bijni in Chirang District (50% complete) • ***Construction work of Vulnerable Witness Deposition Centers has just been allotted*** – Tinsukia (70% complete); Mangaldoi (30% complete)	ALL DISTRICTS HAVE ASKED FOR THE FINANCIAL ASSISTANCE. EACH DISTRICT HAS REQUESTED AN AMOUNT OF RS. 50 LAKHS.

ग

डी.

ई.

च

जी.

एच.

465

स्मरुति तुकाराम बडाडे बनाम महाराष्ट्र राज्य [डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, जे.] ए.

	Mizoram =8 Arunachal Pradesh = 16]		**NIL**	**NIL**		**NAGALAND: VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTER CONSTRUCTED = NIL** • ***No Vulnerable Witness Deposition Center constructed***	NO INFORMATION ON AVAILABLE
			NIL	**5**		**MIZORAM: VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTER CONSTRUCTED = NIL** • ***No Vulnerable Witness Deposition Center constructed*** • Temporary arrangements made in 5 District Courts	NO INFORMATION ON AVAILABLE
			NIL	**NIL**		**ARUNACHAL PRADESH: VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTER CONSTRUCTED = NIL** ***No Vulnerable Witness Deposition Center constructed***	NO GRANTS HAVE BEEN RECEIVED IN ARUNACHAL PRADESH FOR VWDC.
19.	**Sikkim High Court** [Pg. No. 25-26 [No. of District Courts = 4]	19.12.2019	**NIL**	**NIL**	NO GUIDELINES AVAILABLE.	**VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTRE ESTABLISHED – NIL** • ***Construction of Vulnerable Witness Deposition Center at District & Sessions Court Complex, Sichey, Gangtok, East Sikkim*** – Construction commenced in September 2018 and is 90% complete • ***Construction of Juvenile Justice Board at Namchi – Will include Vulnerable Witness Deposition Center & Waiting Room***- Construction commenced in September 2018 and work is in progress - 16% complete • ***Redesigning of District & Sessions Court at Namchi – Will include Vulnerable Witness Deposition Center & Waiting Room***- Construction commenced in October 2018 and is scheduled to complete in September 2020 • ***Construction of Addnl. Court building at Gyalshing - Will include Vulnerable Witness Deposition Center, Witness***	AMOUNT HAS BEEN SANCTIONED AND WORK IS IN PROGRESS. HOWEVER, STILL SOME BALANCE FUNDS ARE REQUIRED FOR COMPLETING THE WORK.

क.

ग

डी.

ई.

च

जी.

एच.

20.	**Calcutta High Court** [Pg. No. 29 [No. of District Courts = 22]	06.12.2019	**NIL**	**NIL**	NO GUIDELINES AVAILABLE.	***Room & Waiting Room*** - Construction commenced in August 2019 and is scheduled to complete in August 2020 – 35% work complete **VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTRE ESTABLISHED – NIL** • State Govt. decided to construct Vulnerable Witness Deposition Centers in Kakdwip, Baruipur, Diamond Harbour Court Complexes in District South 24 Parganas • ***State Govt. granted administrative approval and sanction of funds*** for Baruipur and Kakdwip Courts • ***Reminder sent to District Judge, South 24 Parganas for issuing cost estimate*** for establishment of Vulnerable Witness Deposition Center at Diamond Harbour Court	FUNDS HAVE BEEN SANCTIONED FOR SOME COURTS.
21.	**Kerala High Court** [Pg. No. 23-24 [No. of District Courts = 14]	20.11.2019	**NIL**	**NIL**	NO GUIDELINES AVAILABLE	**VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTRE ESTABLISHED – NIL** • Approval of uniform plan for Vulnerable Witness Deposition Centers in Subordinate Courts is pending with 'Committee for Establishment of Courts, Tribunals and Construction of Court Buildings in the State' • Refurbishing work commenced in POCSO Court, Ernakulam to incorporate child friendly features • Proposal for modification of POCSO Court, Thiruvananthapuram and Kozhikode to incorporate child friendly features is pending before High Court	NO INFORMATION AVAILABLE
22.	**Andhra Pradesh High Court** [Pg. No. 54	17.02.2020	**NIL**	**NIL**	NO GUIDELINES AVAILABLE	**NO VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTERS ARE ESTABLISHED IN SUBORDINATE COURTS IN STATE OF ANDHRA PRADESH**	NO INFORMATION AVAILABLE

ग

डी.

ई.

च

जी.

एच.

467

स्मरुति तुकाराम बडाडे बनाम महाराष्ट्र राज्य [डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, जे.]

	[No. of District Courts = 13]						
23.	**Telangana High Court** [SEPARATE VOLUME 8 [No. of District Courts = 10]	24.02.2020	**NIL**	**NIL**	NO GUIDELINES AVAILABLE	**NO VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTERS ARE ESTABLISHED IN SUBORINATE COURTS IN STATE OF TELANGANA** • They have given the estimates for the setup of the vulnerable witness deposition centers in subordinate courts.	FINANCIAL ESTIMATES HAVE BEEN SUBMITTED BY THE DISTRICT COURTS.
24.	**Allahabad High Court** [SEPARATE VOLUME 7 [No. of District Courts = 75]	20.12.2019	**NIL**	**NIL**	NO GUIDELINES AVAILABLE	**NO VULNERABLE WITNESS DEPOSITION CENTERS ARE ESTABLISHED IN SUBORINATE COURTS** • **Two judgeships at Allahabad and Lucknow have been identified** for Child Witness Friendly Court cum Vulnerable Witness Deposition Centers. • Drawings and design made by Delhi High Court to be followed for establishment of these centres.	STATE GOVERNMENT HAD RELEASED AMOUNT FOR LUCKNOW BUT IT IS PENDING FOR ALLAHABAD.

क.

ग

डी.

ई.

च

जी.

एच.

निधि जैन

विविध आवेदन का निपटारा किया गया।